- खगड़िया संस्करण
- वर्ष: 5
- अंक: 159
- मूल्य ₹ 1.00
- पृष्ठ 04
- Reg: UDYAM-BR-17-0007168

दैनिक
# बिहार पत्रिका
सच के साथ

पटना। रविवार, 06 अक्टूबर 2024 | web_dainikbiharpatrika.com | Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com


# शारदीय नवरात्र के तीसरे दिन मां चंद्रघण्टा की कि गई पूजा अर्चना

**दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन**

**बौंसी, बांका।** बौसी प्रखंड क्षेत्र में शारदीय नवरात्र के तीसरे दिन शनिवार को तीसरे दिन मां चंद्रघण्टा की कि गई पूजा अर्चना की गयी। शारदीय नवरात्र में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा अर्चना की जाएगी। वैदिक मंत्रोचारण के साथ पूरा प्रखंड क्षेत्र गुंजायमान हो गया है। नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघण्टा की पूजा की जाती है। देवी भागवत पुराण में बताया गया है कि मां का यह रूप बेहद सौम्य और शांत है, जो सुख-समृद्धि प्रदान करता है। इस दिन विधि-विधान से पूजा करने से आत्मविश्वास बढ़ता है, सुखों में वृद्धि होती है और सामाजिक प्रभाव भी बढ़ता है। लोग आपको सम्मान देना शुरू कर देते हैं। देवी भागवत पुराण में बताया गया है कि मां यह रूप बेहद सरल सौम्य, शांत और ममतामयी है। मां इस रूप में अपने भक्तों की सुख समृद्धि में वृद्धि करती हैं। मां चंद्रघण्टा की पूजा करने से आपके सुख और भौतिक सुखों में वृद्धि होती है और मां दुर्गा समाज में आपका प्रभाव बढ़ाती हैं। पंडितों की मानें तो नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघण्टा की पूजा होती है। मां की पूजा से जीवन में सफलता मिलती है। मां के मस्तक पर घंटे के आकार का चंद्रमा है, इसलिए उन्हें चंद्रघण्टा कहते हैं। मां चंद्रघण्टा का रूप अलौकिक, तेजस्वी और ममतामयी माना जाता है। मां के इस रूप की पूजा करने से आपको जीवन के हर क्षेत्र में भरपूर कामयाबी प्राप्त होती है। मां की पूजा सूर्योदय से पहले करनी चाहिए। पूजा में लाल और पीले गेंदे के फूल चढ़ाने चाहिए। मां के मस्तक पर अर्द्धचंद्र के आकार का घंटा शोभायमान है, इसलिए देवी का नाम चंद्रघण्टा पड़ा। इनकी पूजा में शंख और घंटों के साथ पूजा करने से मां प्रसन्न होती हैं और कृपा बरसाती हैं। नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघण्टा की पूजा होती है। मां का रंग सोने जैसा चमकदार है और वह शेर की सवारी करती हैं। उनके आठ हाथों में कमल, धनुष, बाण, तलवार, कमंडल, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। मां के गले में सफेद फूलों की माला और सिर पर चंद्रमा से सुसज्जित रत्नजड़ित मुकुट है। मां हमेशा युद्ध की मुद्रा में तंत्र साधना में लीन रहती हैं। उनकी पूजा करने से आपके तेज और प्रभाव में वृद्धि होती है। कार्यक्षेत्र में आपका आत्मविश्वास बढ़ता है और आपको समाज में विशेष स्थान प्राप्त होता है। मुख्य रूप से बौंसी पुरानी हॉट स्थित दुर्गा मंदिर, कुड़रो दुर्गा मंदिर, गोकुला दुर्गा मंदिर, चांदन डैम स्थित वैष्णवी दुर्गा मंदिर, श्याम बाजार दुर्गा मंदिर, सिकंदरपुर दुर्गा मंदिर, गोलहट्टी दुर्गा मंदिर, भंडारीचक दुर्गा मंदिर सहित अन्य मंदिरों में मां चंद्रघण्टा की पूजा अर्चना की गई।

## सिद्धियां और निधियों के लिए आज पूजी जाएंगी मां कूष्मांडा

**दैनिक बिहार पत्रिका/धनबाद**

शारदीय नवरात्र का चौथा दिन मां के कूष्मांडा स्वरूप को समर्पित है। सिद्धियां और निधियों के लिए रविवार को मां कुष्मांडा की पूजा होगी। वेदाचार्य पंडित रमेशचंद्र त्रिपाठी बताते हैं कि माता के कूष्मांडा स्वरूप को दुखों को हरने वाली मां कहा जाता है। सूर्य उनका निवास स्थान माना जाता है, इसलिए माता के इस स्वरूप के पीछे सूर्य का तेज दर्शाया गया है। संतान की इच्छा रखने वाले लोगों को देवी के इस स्वरूप की आराधना अवश्य करनी चाहिए। मां की पूजा आराधना और जप से माता प्रसन्न होती हैं और भक्तों को सुख समृद्धि और आरोग्यता प्रदान करती हैं। इससे पूर्व शनिवार को माता के चंद्रघंटा स्वरूप की पूजा हुई। शहर के भुईंफोड़ मंदिर, शक्ति मंदिर, खड़ेश्वरी मंदिर, मनोकामना मंदिर बिनोद नगर, सहित सभी देवी मंदिरों, देव , देवी मंडप व पूजा पंडालों में चंद्रघंटा की अराधना हुई। भूईफोड़ मंदिर में बांग्ला पद्धति से मां की पूजा हुई।

## युवा शक्ति संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष ने दिया त्यागपत्र




**दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा**

सामाजिक संगठन युवा शक्ति संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष अमित नयन ने शनिवार को व्यक्तिगत कारणों से संगठन के अध्यक्ष एवं प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया। अमित नयन ने मिडिया को अवगत कराते हुए कहा कि युवा शक्ति संघर्ष मोर्चा का पुनर्गठन जो 11 जुलाई 2024 गुरुवार को हुआ था। जिसमें सर्वसम्मति से मुझे अध्यक्ष पद की ज़िम्मेवारी दी गई थी,जिसका निर्वहन मैंने ईमानदारी पूर्वक किया। परन्तु अब मुझे कार्य करने में असुविधा हो रही थी,जिसके कारण मैंने संगठन के संरक्षक को अपना त्यागपत्र सौंपा है ।

# बालू माफियाओं का दुस्साहस: पुलिस टीम पर हमला, दो सिपाही घायल, कई वाहन क्षतिग्रस्त

**दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन**

**बांका:** जिले में बालू माफियाओं का दुस्साहस दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। अमरपुर थाना क्षेत्र के भदरार बालू घाट पर शुक्रवार सुबह एक बार फिर बालू माफियाओं ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इस हमले में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए, जबकि पुलिस के आधा दर्जन से अधिक वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए। यह घटना राज्य में बालू माफियाओं के बढ़ते प्रभाव और उनकी बेखौफ गतिविधियों को दर्शाती है। घटना अमरपुर थाना क्षेत्र के भदरार बालू घाट पर हुई, जहां अवैध रूप से बालू खनन की सूचना मिलने पर बांका पुलिस के साथ क्विक रिस्पांस टीम और अन्य थानों की पुलिस छापेमारी के लिए पहुंची थी। जैसे ही पुलिस टीम घाट पर पहुंची, बालू माफियाओं ने उन पर पथराव शुरू कर दिया। अचानक हुए इस हमले में पुलिस के दो सिपाही घायल हो गए और आधा दर्जन से अधिक पुलिस वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इस छापेमारी के दौरान पुलिस ने लगभग एक दर्जन वाहनों को जब्त किया था, लेकिन माफियाओं ने अधिकांश वाहनों को छुड़ा लिया। पुलिस ने केवल तीन वाहन ही अपने कब्जे में रख पाए और उन्हें थाने ले जाया गया है। एसपी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बिहार में अवैध बालू खनन कोई नई समस्या नहीं है, लेकिन बालू माफियाओं की बढ़ती बेखौफी और पुलिस पर लगातार हमलों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। बालू माफिया अपने आर्थिक लाभ के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। इससे न केवल राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं, बल्कि आम जनता की सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही है। पुलिस टीम पर हमला इस बात का प्रमाण है कि माफियाओं को कानून और प्रशासन का कोई डर नहीं है। बांका जिले की इस घटना ने एक बार फिर राज्य में कानून व्यवस्था की खामियों को उजागर कर दिया है। बालू माफियाओं के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई बार-बार असफल साबित हो रही है, क्योंकि माफिया हर बार बच निकलने में कामयाब हो जाते हैं। इस प्रकार की घटनाओं से पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े होते हैं और यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या पुलिस माफियाओं के आगे कमजोर पड़ती जा रही है? इस घटना के बाद बांका के एसपी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। हालांकि, पुलिस की चुनौतियां यहां खत्म नहीं होतीं। बालू माफिया के पास न केवल स्थानीय लोगों का समर्थन होता है, बल्कि उनके पास आर्थिक और राजनीतिक संरक्षण भी होता है। यही कारण है कि उनके खिलाफ कार्रवाई करना पुलिस के लिए मुश्किल साबित होता है। इसके अलावा, बालू माफियाओं की संख्याबल और उनकी आक्रामकता के सामने पुलिस टीम को अक्सर कमजोर पड़ना पड़ता है। इस घटना में भी देखा गया कि पुलिस के पास पर्याप्त सुरक्षा नहीं थी और माफियाओं ने मौके का फायदा उठाकर पुलिस पर हमला कर दिया।

इससे साफ है कि पुलिस को इस प्रकार की छापेमारी के लिए बेहतर योजना और पर्याप्त सुरक्षा बल की आवश्यकता है। बालू माफियाओं की गतिविधियों पर नियंत्रण पाने के लिए प्रशासन को सख्त कदम उठाने होंगे। केवल छापेमारी और वाहनों की जब्ती से समस्या का समाधान नहीं हो सकता। इसके लिए राज्य सरकार को अवैध बालू खनन के खिलाफ कठोर कानून लागू करने होंगे और इस समस्या के मूल कारणों को समझकर उन्हें दूर करना होगा। बांका में बालू माफियाओं द्वारा पुलिस टीम पर हमला राज्य में कानून व्यवस्था की गंभीर स्थिति को दर्शाता है। बालू माफिया बेखौफ होकर अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं और पुलिस पर हमला करना उनके दुस्साहस को दर्शाता है। इस प्रकार की घटनाएं न केवल कानून व्यवस्था को चुनौती देती हैं,इस प्रकार की घटनाएं न केवल कानून व्यवस्था को चुनौती देती हैं, बल्कि प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़ा करती हैं। जरूरत है कि प्रशासन इस चुनौती का मुकाबला सख्ती से करे और बालू माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे। इसके लिए पुलिस को बेहतर प्रशिक्षण, पर्याप्त सुरक्षा बल, और राज्य सरकार की पूरी मदद की आवश्यकता है। जब तक प्रशासन और पुलिस सख्ती से नहीं निपटेंगे, तब तक बालू माफियाओं का आतंक यूं ही जारी रहेगा। जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना और अवैध खनन को रोकना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि इस प्रकार की घटनाओं पर पूर्ण विराम लगाया जा सके।

## खगड़िया: ट्रेन से भारी मात्रा में विदेशी शराब की गई बरामद



**दैनिक बिहार पत्रिका**

**प्रतिनिधि ,खगड़िया।** खगड़िया रेलवे जंक्शन पर शनिवार को ट्रेन से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की गई। सुरक्षा नियंत्रण कक्ष सोनपुर से प्राप्त सूचना के आधार पर आरपीएफ खगड़िया के निरीक्षक प्रभारी अरविंद कुमार राम के निर्देशानुसार आरक्षी सज्जन कुमार एवं आरक्षी प्रमोद कुमार तथा एलटीएफ जीआरपी खगड़िया की टीम द्वारा गाड़ी संख्या 12506 डाउन नार्थईस्ट एक्सप्रेस के खगड़िया प्लेटफार्म पर रुकने पर तलाशी ली गई। जिसके ए वन कोच में एक ट्रॉली बैग और एक पिट्टू बैग विदेशी शराब से भरा लावारिस हालत में बरामद हुई। जिसे खगड़िया में प्लेटफार्म संख्या दो पर उतार कर उसकी विधिवत तलाशी ली गई तो उसमें 180 एमएल की कुल 181 बोतल विदेशी शराब पायी गई। जिसका कुल मात्रा 32.580 लीटर बताया गया है।

मौके पर कार्रवाई के बाद जीआरपी खगड़िया में मामला दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही है।

## सारण पुलिस कप्तान की बड़ी कार्रवाई, थानेदार समेत सात सस्पेंड

**दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा**

अवैध बालू परिवहन की शिकायत पुष्ट होने के बाद डोरीगंज थाना के पूरे स्टाफ को सस्पेंड और लाइन हाजिर कर दिया गया है। थानेदार, चौकीदार समेत 7 सस्पेंड किए गए हैं। शेष 12 लोगों को लाइन हाजिर किया गया है। अब तक की ऐसी यह सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। साथ ही 7 दिनों के अंदर स्पष्टीकरण मांगा गया है। फिर विभागीय कार्रवाई शुरू होगी, नौकरी पर भी खतरा है। जब से नए पुलिस कप्तान आए हैं, तब से सारण पुलिस का तेवर और कलेवर दोनों बदला-बदला नजर आ रहा है। जीरो टॉलरेंस नीति पर कार्य करते हुए पुलिस कप्तान डॉ कुमार आशीष ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रहे हैं। जिससे सारण के लोगों में पुलिस के प्रति नया विश्वास जगा है।

## बांका: बकरा चोरी करते हुए ग्रामीणों द्वारा रंगे हाथों पकड़े गये दो व्यक्ति

**दैनिक बिहार पत्रिका/ कुमार चंदन**

**धोरैया/बांका:-** बांका जिला के धोरैया थाना क्षेत्र के लहोरिया सादपुर गांव में बकरा चोरी की वारदात को अंजाम देते समय दो व्यक्तियों को ग्रामीणों द्वारा रंगे हाथों पकड़ा गया। पकड़े गए व्यक्तियों में से एक का नाम शुभम कुमार झा पिता गोपाल झा है, जो अंगरू, पोस्ट पिलुआ झरना, थाना बौंसी, जिला बांका, बिहार का निवासी है और दूसरा बाराहाट थाना क्षेत्र के खड़हरा गांव निवासी 19 वर्षिय मोहम्मद सैफ अली है। ग्रामीणों ने इन दोनों को पकड़कर तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस द्वारा मामले की जांच जारी है और पकड़े गए व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है। चोरी के इस प्रयास ने गांव में सनसनी फैला दी है, और लोग इस घटना को लेकर चर्चा कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि आगे की कार्रवाई नियमानुसार की जाएगी।

## ईवीएम वेयरहाउस का किया गया मासिक निरीक्षण

**दैनिक बिहार पत्रिका/ कुमार चंदन**

**बांका:**जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, बांका अंशुल कुमार एवं पुलिस अधीक्षक, बांका डॉक्टर सत्यप्रकाश के द्वारा शनिवार को ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया गया। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मापदंडों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी, बांका, अवर निर्वाचन पदाधिकारी, बांका उपस्थित थे।

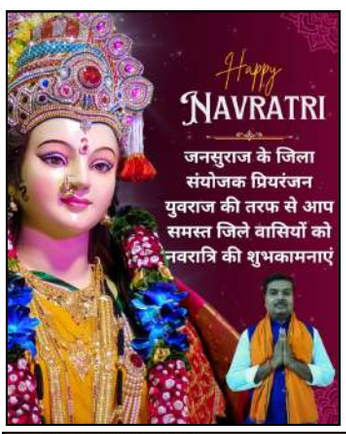






## समस्तीपुर :अनिरुद्धचार्य जी महाराज का सात दिवसीय भागवत कथा का प्रारंभ

**दैनिक बिहार पत्रिका/ समस्तीपुर** :देश के प्रमुख कथावाचकों मे से एक अनिरुद्धचार्य जी का सात दिवसीय कथा सरायरंजन प्रखंड के उदयपुर राम जानकी ठाकुरबाड़ी के प्रांगण में शनिवार से शुरु हो गया है। तीन भव्य पंडाल बनाये गए है। मुख्य पंडाल मे एक से सवा लाख पंडाल लोगो की बैठने की क्षमता है।प्रशाशनिक स्तर पर भी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। अनुमंडल पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक समस्तीपुर द्वारा भी स्थल निरिक्षण कर आवश्यक निर्देश पदाधिकारीयों को दी है इसके साथ ही राधे-राधे की जयकार से आयोजन स्थल का माहौल भक्तिमय हो गया है।

# प्रखंड कार्यालय में लगा गंदगी का अम्बार, बाहर सफाई का ढिढोरा

दैनिक बिहार पत्रिका/ कुमार चंदन

**बांका:** कहावत है-हाथी के दांत खाने के अलग और दिखाने के अलग। यह बांका प्रखंड कार्यालय पर सटीक बैठती है। खासकर स्वच्छ भारत मिशन अभियान के संदर्भ में। दिखाने के लिए तो उसने इस अभियान का चहुंओर ढिढोरा पीट रखा है। यहां तक कि बांका को ओडीएफ प्रखंड घोषित करा रखा है। मगर सच्चाई से यह घोषणा कोसों दूर है। जिस प्रखंड कार्यालय से ओडीएफ अभियान की शुरुआत हुई वहीं भीषण गंदगी फैली है। खासकर हाथ धोने के लिए वाश बेसिन बनाया गया है। देखने से प्रतीत होता है मानो वर्षों से उसकी सफाई नहीं हो पाई है। यहां तक कि लोगों ने पान, गुटखा आदि खाकर उसमें थूक दिया है। वहां आगंतुकों को पानी की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आरो वाटर लगाया गया है। वहां लंबे समय से कचरा इकट्ठा हो गया है। शौचालय में जहां-तहां मलमूत्र का परित्याग कर देते हैं। इसकी वजह से वहां भीषण दुर्गंध फैली रहती है। उससे गंदगी से बीमारियों के फैलने की आशंका जताई जा रही है। इसके बावजूद इस ओर न तो बीडीओ का ध्यान गया है और न सीओ का। यही कारण है कि लोगों पर स्वच्छ भारत मिशन के आह्वान का अपेक्षित असर नहीं पड़ रहा है।

# 351.5 लीटर विदेशी शराब सहित चालक सह एक तश्तर गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका/ उमाकांत साह

**चांदन/बांका:-** जैसे-जैसे दुर्गा पूजा नजदीक आ रही है वैसे-वैसे शराबियों कि मांग पर शराब कारोबारी नए नए तरकीब अपना कर शराब कि खेप ले जाने के लिए बांका पुलिस को खुली चुनौती दे रही है। लेकिन बांका पुलिस भी शराब तस्करों का मनसूब नाकाम करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रही है। ताज़ा मामला शुक्रवार देर रात कि रात कि है। जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक डॉक्टर सत्य प्रकाश के निर्देश पर दुर्गा पूजा के मध्येनजर विशेष छापेमारी अभियान के तहत तुर्की मोड़ के समीप चांदन थाना अध्यक्ष विष्णु देव कुमार के नेतृत्व में अवर निरीक्षक रविंद्र कुमार व पुलिस बल ने रात्री गस्ती के दौरान देवघर की ओर से आ रहे आगे पीछे एक टाटा कंपनी के रेनॉल्ड KWID रजिस्ट्रेशन नंबर BR10-W-1555 और दुसरा उजाला रंग का टाटा कंपनी की ZEST रजिस्ट्रेशन नंबर BR10T-1009 कार कि तलाशी हेतु रोका गया। जिसमें लाल रंग कार आगे पुलिस को सड़क किनारे गाड़ी खड़ा कर भागने में सफल हो गया। वहीं पुलिस द्वारा दोनों वाहन कि सघन तलाशी के क्रम में अलग-अलग 196. 875 एवं 154.625 कुल 351.5 लीटर विदेशी शराब जप्त किया गया। साथ ही एक चालक सह शराब तस्कर को भी गिरफ्तार की गई ,जिसकी पहचान मुंगेर जिला के हरपुर थाना अंतर्गत तीन माइल गनेरी निवासी राहुल कुमार पिता स्वर्गीय प्रदीप कुमार सिंह के रूप में की गई है। पुछ ताछ के क्रम बताया कि शराब की खेप दुर्गा पूजा को लेकर देवघर से मुंगेर ले जा रहा था । इस बाबत थाना अध्यक्ष विष्णु देव कुमार ने बताया कि जप्त शराब एवं वाहन रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर गिरफ्तार चालक सह शराब तस्कर के खिलाफ बिहार मध्य निषेध अधिनियम के तहत जेल भेज दिया है।

# अज्ञात अपराधियों ने सी एस पी संचालक को चाकू मारकर किया जानलेवा हमला

दैनिक बिहार पत्रिका/ उमाकांत साह

**चांदन/बांका:-** खबर बांका जिले के चांदन थाना क्षेत्र की है। जहां अज्ञात अपराधियों ने एक 22 वर्षीय सी एस पी को पहले गोली मारी, फिर गर्दन में चाकू मारकर घायल कर दिया।गनीमत रही कि गोली गर्दन के पिछे निकल गई नहीं तो युवक का जान भी जा सकता था।सुत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गौरीपुर पंचायत के गोविंदपुर गांव निवासी सी एस पी संचालक सुनील कुमार तांती उम्र करीब 22 वर्ष पिता उमा तांती रोज कि तरह शुक्रवार कि देर रात चांदन से अपने घर गोविंदपुर जा रहा था। इसी बीच जंगल स्थित सुनसान रास्ते पर पूर्व से घात लगाए बैठे अज्ञात अपराधियों ने सी एस पी संचालक सुनील तांती का बाइक को रोक कर पहले लुट कांड का अंजाम दिया, विरोध करने पर अपराधियों ने पहले गोली चलाई, लेकिन गोली गर्दन को चूमते हुए आगे निकल गया। फिर अपराधियों ने गर्दन के नीचे चाकू से वार कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। बताया जा रहा है कि अपराधियों ने तीस हजार रुपया नगद और लैपटॉप लूट कर ले गया है। घटना कि जानकारी पर परिजनों ने घायल सी एस पी संचालक सुनील कुमार आनन-फानन में इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चांदन ले गया, जहां मौके पर तैनात चिकित्सक डॉक्टर रमेश कुमार यादव, व डॉ शशिकांत ने उपचार कर जख्मी युवक को गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज हेतु देवघर रेफर कर, लेकिन युवक का स्थिति नाजुक देखते हुए, रांची रिम्स भेज दिया है। बताया जा रहा है कि जख्मी सीएसपी संचालक सुनील तांती का खबर लिखे जाने तक स्थिति नाजुक बनी हुई है। इधर इस मामले में चांदन थाना अध्यक्ष विष्णु देव कुमार घटना की जानकारी पर घटनास्थल पहुंचकर गोली का एक खाली खोखा,और जख्मी सुनील तांती का बाइक बरामद कर लिया। जबकि इस मामले में घटना की सही कारण पता नहीं चल पाया है और ना ही तो आसपास के लोग घटना के संबंध में कुछ भी बोलने को तैयार है। इस संदर्भ में थाना अध्यक्ष विष्णु देव कुमार का कहना है की घटना के संबंध में किसी प्रकार का आवेदन नहीं मिला है। बावजूद पुलिस अपने स्तर से छानबीन करने में जुटी हुई है।

## आरपीएफ ने रंगे हाथ मोबाइल चोर को किया गिरफ्तार

**दैनिक बिहार पत्रिका ,प्रतिनिधि, गोगरी खगड़िया|** मैं निरीक्षक प्रभारी अरविंद कुमार राम आरपीएफ खगड़िया साथ आरक्षी सज्जन कुमार , खगड़िया से गाड़ी संख्या 15505 अप जनहित एक्सप्रेस को खगड़िया से एस्कॉर्ट करते हुए बेगूसराय पहुंचे । तथा वापसी में गाड़ी संख्या 12488 सीमांचल एक्सप्रेस को समय 02:32 बजे चेक करते हुए खगड़िया समय 03:16 बजे पहुंचे, इस गाड़ी में एक व्यक्ति चोरी के मोबाइल के साथ पकड़ा गया है जिसका नाम और पता सोनू कुमार उम्र 22 वर्ष पिता वीरू यादव घर मानसी कुटिया वार्ड नंबर 15 थाना मानसी है इसके पास एक वीवो कंपनी का स्क्रीन टच मोबाइल बरामद हुआ है , यह व्यक्ति पूर्व में चोरी के मामले में जेल जा चुका है,मौके की कार्रवाई के पश्चात जीआरपी खगड़िया को सुपुर्द कर दिया।

# नयागांव के स्वर्ण देवी मंदिर में भक्तों की मुरादें होती है पूरी, भक्तिमय बना माहौल

दैनिक बिहार पत्रिका/खगड़िया

मां दुर्गा के कई रुप हैं। सभी रूपों की पूजा होती है। खासकर नवरात्र के दौरान इसका महत्व और बढ़ जाता है। खगड़िया जिले के परबत्ता प्रखंड के नयागांव सतखुट्टी में भी मां दुर्गा का एक मंदिर है। जो पूरे जिले में स्वर्ण देवी के नाम से विख्यात हैं। जिसे सिद्धपीठ भी माना जाता है। यहां मां दुर्गा की स्वर्ण देवी के रूप में पूजा की जाती है, जो चतुर्भुज रुप में भी विराजमान हैं। कहा जाता है कि माता का यह मंदिर 200 वर्ष पुराना है। ऐसा कहा जाता है कि सन् 1800 ई0 के द्वितीय दशक में सप्तम वंश के मेहरबान सिंह को देवी ने दर्शन देकर मंदिर स्थापित कर पूजा प्रारंभ करने की प्रेरणा दी थी। इस प्रकार इस मंदिर की स्थापना को 200 वर्ष अधिक समय पूरे हो गये हैं। शारदीय नवरात्र में सप्तमी से लेकर अगले तीन दिनों तक यहां भव्य मेला लगता है। मंदिर के प्रांगण में काफी लंबा चौड़ा खाली स्थान होने के बावजूद मेला में तिल रखने की जगह नहीं रहती है। काफी दूर-दराज इलाके के लोग भी इस मेला में देवी की पूजा करने आते हैं।

# सारण में हम (से.) के राष्ट्रीय महासचिव ने किया सदस्यता अभियान का शुभारंभ

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

छपरा के खैरा थाना अंतर्गत धूपनगर धोबवल पंचायत के बाड़ी धोबवल गांव में हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा सेकुलर ने सदस्यता अभियान कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को किया । जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव राजेश पांडेय मुख्य अतिथि के साथ में जिला प्रभारी धरम सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष उज्जवल श्रीवास्तव ने की । कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए राजेश पांडेय ने कहा कि हमारी पार्टी गरीबों की पार्टी है और हम और हमारे नेता हमेशा गरीबों के लिए काम करते हैं । मैं गया जिला से इसलिए आया हूँ की आप ज्यादा से ज्यादा लोग सदस्यता अभियान के माध्यम से पार्टी से जुड़े और जिस दिन ज्यादा संख्या में आप जुड़ गए तो वादा करते है सारण की धरती से एक सीट पर चुनाव हम लड़ेंगे । साथ ही उन्होंने कहा कि हमारे पार्टी के नेता ने जो गरीबों के लिए काम किया है वह जगजाहिर है। साथ ही उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा की वो लोग भी अब विकास की बात कर रहे है जिनके राज में आदमी घर से निकल भी नही पता था । जिला प्रभारी धरम सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा हमारी पार्टी बहुत तेजी के साथ जिले में पार्टी का विस्तार करेगी और अधिक संख्या में सदस्य बनाने का काम करेगी जिला अध्यक्ष उज्जवल श्रीवास्तव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य विधानसभा चुनाव के पहले एक लाख सक्रिय सदस्य बनाने की है जिसके लिए हम सभी प्रयासरत है। जिला अध्यक्ष ने कहा कि हमारे नेता हमेशा गरीबों के लिए खड़े रहते हैं और मैं भी आप सबके लिए खड़ा हूं आपके सुख-दुख सभी परिस्थितियों में आपके साथ रहूंगा । सभा का धन्यवाद ज्ञापन हम के युवा जिला अध्यक्ष मंटू कुमार मांझी ने किया तथा मंच का संचालन परसा के प्रखंड अध्यक्ष आनंद कुमार ने किया । कार्यक्रम के दौरान पार्टी के जिला उपाध्यक्ष राकेश सिंह,जिला महासचिव मनीष कुमार,जितेंद्र कुमार,अभय कुमार, जिला सचिव महेश कुमार,संजयकुमार,बृजेशकुमार,अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष अशरफ इमाम,युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष मंटू कुमार मांझी,जिला उपाध्यक्ष शैलेश राय,जिला सचिव श्रवण कुमार,जिला सचिव लियाकत हुसैन एवं तमाम युवा मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष गण एवं हम सेकुलर के प्रखंड अध्यक्ष सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे ।

## छपरा: हाई स्कूल अमनौर में हुआ मासिक प्रगति पत्र का वितरण

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

राज्य के सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की मासिक परीक्षा का परिणाम शनिवार को जारी किया गया। विभागीय निदेश के अनुसार शनिवार को विद्यालयों में शिक्षक-अभिभावक बैठक की गई और प्रत्येक विद्यार्थी के प्रगति-पत्रक पर शिक्षकों और अभिभावकों की चर्चा भी की गई। साथ ही छात्र किसी विषय में अथवा किसी विशेष सह शैक्षिक गतिविधि में पीछे हैं तो उस कमी को दूर करने के लिए शिक्षकों के साथ-साथ अभिभावकों के स्तर पर क्या कदम उठाए जा सकते हैं इस पर भी चर्चा की गई । प्रधानाध्यापक योगेंद्र राम ने कहा कि बच्चे देश के भविष्य होते है। परीक्षा के बाद प्रगति पत्रक पाकर बच्चों में खुशी झलकती है।
इस मौके पर शिक्षक गजेंद्र सिंह,अनीश कुमार सिंह,विश्वनेक समदर्शी, पराग त्रिपाठी सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

## छपरा: शिक्षक अभिभावक गोष्ठी में मां दुर्गा के नौ रूपों की झांकी प्रस्तुत की

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

सदर प्रखंड के नवसृजित प्राथमिक विद्यालय डुमरिया अनुसूचित में नवरात्रि के अवसर पर एक अनूठी पहल देखने को मिली, जहां शिक्षक अभिभावक गोष्ठी सह प्रगति पत्र वितरण कार्यक्रम में छोटे-छोटे बच्चों को मां दुर्गा के नौ रूपों में सजाया गया। इस विशेष कार्यक्रम में बच्चों ने देवी के विभिन्न स्वरूपों की झांकी प्रस्तुत की।जिसे देख सभी उपस्थित लोग मंत्रमुग्ध हो गए। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने नृत्य और ड्रामा के माध्यम से देवी के शौर्य और भक्तों के प्रति उनके करुणा भाव को प्रस्तुत किया। नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा मां दुर्गा की पूजा भी की गई, जिसमें उन्होंने भक्ति और श्रद्धा के साथ भाग लिया। प्रभारी प्रधानाध्यापक कुमार ओमप्रकाश ने बच्चों के इस प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल बच्चों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि उन्हें भारतीय संस्कृति और परंपराओं से भी जोड़ते हैं।
इस कार्यक्रम में शिक्षक संजय यादव और नेहा निभा का विशेष योगदान रहा ।

## बांका:अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के द्वारा संचालित योजनाओं के प्रचार प्रसार हेतु बैठक की गई आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका/ कुमार चंदन

**धोरैया/बांका:-** धोरैया प्रखंड परिसर में स्थित सद्भाव मंडप में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के द्वारा संचालित योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए शनिवार को एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी बांका प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल पदाधिकारी धोरैया शामिल हुए इस बैठक में प्रखंड में अवस्थित मदरसा एवं मौलवी तथा जन प्रतिनिधि को बुलाया गया था। बैठक के माध्यम से लोगों को प्रमुख योजनाएं जैसे श्रम शक्ति योजना /अल्पसंख्यक तलाकशुदा योजना /मदरसा सुदृढ़ीकरण योजना के बारे में विस्तृत जानकारी देने के साथ-साथ लोगों में प्रचार प्रसार हेतु पंपलेट का भी वितरण किया गया।अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी द्वारा प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम अंतर्गत परियोजना प्रस्ताव उपलब्ध कराने हेतु प्रखंड विकास अधिकारी से अनुरोध किया गया । उपस्थित मदरसा प्रबंध समिति के सदस्यों ने मदरसा शुद्धिकरण योजना का लाभ लेने हेतु भूमि के कागजात संबंधी समस्याओं के कारण lpc निर्गत नहीं होने की बात वरिय उपसमाहर्ता सह अंचल अधिकारी के समक्ष रखा। अंचल अधिकारी द्वारा उनकी समस्याओं का जल्द निपटारा कर एलपीसी निर्गत करने का आश्वासन दिया गया।

## दुर्गा पूजा व काली पुजा लेकर समिति गठन

दैनिक बिहार पत्रिका/ उमाकांत साह

**चांदन/बांका:-** चांदन प्रखंड क्षेत्र के सुइया बाजार स्थित दुर्गामंदिर परिसर में हर साल भांति इस वर्ष भी दुर्गा पूजा एवं काली पुजा को लेकर गणेश चंद्र पांडेय कि अध्यक्षता में सर्वसम्मति से समिति गठन किया गया। समिति गठन में अध्यक्ष के रूप में ब्रह्मानंद दास, उपाध्यक्ष अरविंद कुमार यादव, सचिव रामरंजन बरनवाल, महासचिव दिनेश प्रसाद सिंह, कोषाध्यक्ष संजीत कुमार भगत, सह कोषाध्यक्ष सिकंदर गुप्ता, संरक्षण मिठन प्रसाद यादव, प्रधान पुजारी गणेश चन्द्र पाण्डेय, सुचना मंत्री विपुल कुमार सहित दर्जनों गणमान्य सदस्यों को मनोनीत किया गया। इस मौके पर पुजा समिति सदस्यों ने दुर्गा पूजा में विधि व्यवस्था को लेकर चर्चा किया गया। साथ ही मेला के दौरान असमाजिक तत्वों पर ध्यान केंद्रित रखने हेतु विस्तार पूर्वक चर्चा किया।

# सड़क दुर्घटना में महिला को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचला, मौके पर मौत

दैनिक बिहार पत्रिका/ कुमार चंदन

**बाराहाट/बांका:-** सड़क दुर्घटना में एक महिला को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचला दिया। जिससे महिला की घटनास्थल पर की मृत्यु हो गयी। मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के खडहरा गांव के समीप भागलपुर दुमका मुख्य मार्ग पर एक सड़क हादसे में महिला की दर्दनाक मौत हो गई. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक भागलपुर की तरफ से एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर एक महिला अपने बच्चे और पति के साथ बांका की ओर जा रही थी.इसी दौरान जैसे ही वह रेलवे ओवर ब्रिज के समीप पहुंची सड़क पर बने गड्ढे में मोटरसाइकिल के जाने से वह आंतुलित होकर बीच सड़क पर गिर गई. इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार से आ रही एक मालवाहक ट्रक ने सड़क पर गिरी हुई महिला को कुचल दिया.जिससे महिला की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई. इस घटना में उसका पति और बच्चा बाल-बाल बच गया. घटना के बाद बदहवास हुए उसके पति ने किसी तरह अपने 4 वर्षीय पुत्र टिक्कू कुमार को संभाला. तब तक वहां पर काफी भीड़ जुड़ गई थी .और लोगों ने पुलिस को भी इसकी जानकारी दी .तत्काल मौके पर थाना अध्यक्ष दीपक पासवान पुलिस पदाधिकारी कपिल देव यादव मौके पर पहुंचे और स्थिति को अपने नियंत्रण में किया.हालांकि घटना के बाद ट्रक चालक मौके से वाहन को छोड़कर फरार हो गया .जिससे इस मार्ग पर दोनों तरफ मालवाहक एवं यात्री वाहनों की कतार लग गई. जिसे पुलिस के जवानों ने कड़ी में मशक्कत के बाद इस मार्ग पर आवागवन सुचारू रूप से बहाल किया. इधर शव को अपने कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए उसे बांका दे दिया. घटना के संबंध में मृतका जुली कुमारी के पति सुनील मंडल ने बताया कि वह नाथनगर भागलपुर के रहने वाले हैं. जो अपनी पति और अपने बेटे के साथ मोटरसाइकिल से बांका किसी निजी कार्य के लिए जा रहे थे.इसी दौरान वह जैसे ही रेलवे ओवर ब्रिज के पास पहुंचे .उनकी मोटरसाइकिल असंतुलित हो गई जिसमें उनकी पत्नी सड़क पर गिर गई. ठीक इसी समय तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी पत्नी को कुचल दिया. जिससे उसकी मौत हो गई .इस संबंध में थानाध्यक्ष दीपक पासवान ने बताया कि सड़क हादसे में एक महिला की मौत के मामले में घटनास्थल पर पहुंचकर घटना में शामिल ट्रक को जप्त कर लिया है.शव को पोस्टमार्टम के लिए बांका भेजा गया है .वहीं घटना के बाद अफरा तफरी के बीच ट्रक का चालक मौके से फरार हो गया है|

## बांका: जिला खेल पदाधिकारी के द्वारा खेल भवन का किया गया निरीक्षण

दैनिक बिहार पत्रिका/ कुमार चंदन

**बांका:-** वेटलिफ्टिंग खिलाड़ियों से प्राप्त शिकायतों पर जिला खेल पदाधिकारी, बांका के द्वारा खेल भवन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में पाया गया की मशीनों का सर्विसिंग जरूरी है। कुछ मशीनों में वायर बदलने की जरूरत है। उनके द्वारा वहां मौजूद तकनीकी टीम को दो दिनों के अंदर मशीनों को दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया।

## अभिनय के मास्टर हैं केके मेनन, थिएटर से दर्शकों के दिल तक का तय किया सफर

जब भी बॉलीवुड के बेहतरीन कलाकारों का नाम लिया जाएगा, उस लिस्ट में केके मेनन का नाम जरूर आएगा। अपने शानदार और जीवंत अभिनय के लिए मशहूर अभिनेता केके मेनन ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक कई बेहतरीन फिल्में की हैं। अभिनेता अपने कौशल के दम पर लाखों दिलों पर राज करते हैं। उन्होंने अपने किरदारों के माध्यम से बड़े पर्दे पर कभी ना मिटने वाली छाप छोड़ी है। वह अपना 58वां जन्मदिन मना रहे हैं। आइए इस खास मौके पर उनसे जुड़ी कुछ बातें जानते हैं।

केके मेनन ने अभिनय की शुरुआत थिएटर से की थी। उन्होंने पहली बार थिएटर में दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के साथ काम किया। एक लंबा समय थिएटर को देने के बाद साल 1995 में फिल्म 'नसीम' से उन्हें पहला ब्रेक मिला। हालांकि, इस फिल्म में उनका किरदार छोटा था, लेकिन इस फिल्म के बाद उन्होंने कई शानदार फिल्में की और अपने अभिनय कौशल के दम पर दर्शकों के दिल पर छा गए।

सिर्फ फिल्मों में ही नहीं अभिनेता टीवी शोज में भी अपने अभिनय का कमाल दिखा चुके हैं। अभिनेता ने 'प्रधान मंत्री', 'लास्ट ट्रेन टू महाकाली', 'जेबरा 2' जैसे शोज में भी अपना जलवा दिखाया है। अभिनेता ने बॉलीवुड की कई मशहूर और दर्शकों की पसंदीदा फिल्मों में काम किया, जिसमें ब्लैक फ्राइडे, गुलाल, लाइफ इन एक मेट्रो, हैदर, बेबी, गाजी अटैक, वोडका डायरीज और सरकार जैसी कल्ट फिल्में शामिल हैं। अभिनेता जब थिएटर कर रहे थे, उसी दौरान उन्होंने अभिनेत्री निवेदिता भट्टाचार्य से शादी की। अभिनेत्री उनके संघर्ष के दिनों से ही साथ है। बता दें कि निवेदिता टीवी के दुनिया में सक्रिय रहती हैं। केके मेनन की पत्नी अभिनेत्री निवेदिता ने कुंडली और सात फेरे जैसे धारावाहिकों में अभिनय किया है।

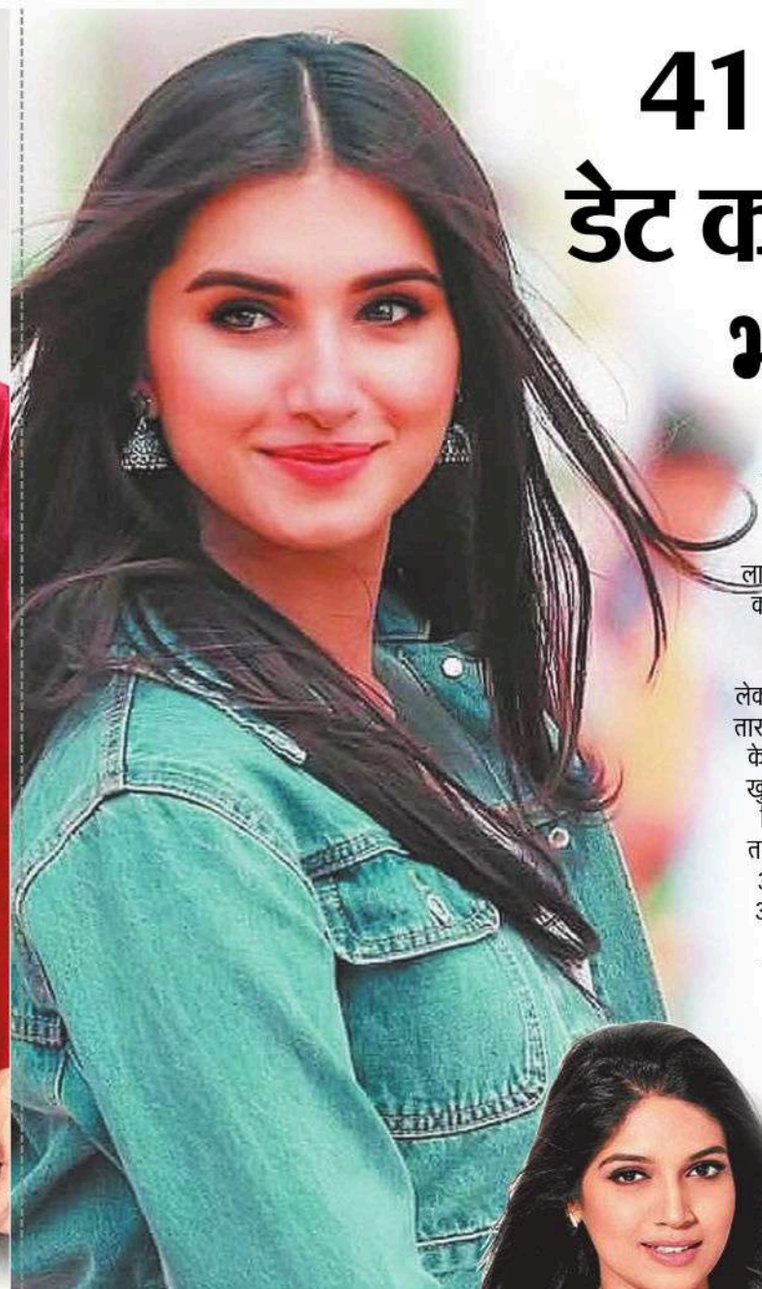

# 41 साल के एक्टर को डेट करने की अफवाहों पर भड़कीं तारा सुतारिया

तारा सुतारिया भले ही बॉलीवुड की जानी मानी अभिनेत्री है, लेकिन इस समय उनके हाथ में प्रोजेक्ट्स की कमी नजर आ रही है। प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियां बटोरने वाली तारा पिछले दिनों अपने कथित एक्स बॉयफ्रेंड आदर जैन की सगाई को लेकर चर्चा में थीं। हालांकि, इसके बाद तारा का नाम अभिनेता अरुणोदय सिंह के साथ जुड़ने लगा। अब अभिनेत्री ने खुद चुप्पी तोड़ इन सभी अफवाहों पर विराम लगाया है। बॉलीवुड अभिनेत्री तारा सुतारिया ने हाल ही में अभिनेता अरुणोदय सिंह के साथ डेटिंग की अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी है। कुछ दिनों पहले अफवाह आई थी कि वह अभिनेता के साथ रिश्ते में हैं। हालांकि, दोनों ने कभी अपने रिश्ते को आधिकारिक नहीं किया था और यह पहली बार है जब तारा ने डेटिंग अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी है।

बातचीत के दौरान तारा ने अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि वह सिंगल हैं। अभिनेता के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए तारा ने कहा, अरुणोदय मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं और मैं सिंगल हूं। इससे पहले सामने आई एक रिपोर्ट ने पुष्टि की कि तारा अरुणोदय को डेट कर रही हैं और यह भी दावा किया कि दोनों डेढ़ साल से एक साथ हैं। वही, कथित तौर पर तारा इससे पहले रणबीर कपूर के चचेरे भाई अदार जैन को डेट कर रही थीं और दोनों ने अपने रिश्ते को आधिकारिक भी कर दिया था, हालांकि यह रिश्ता ज्यादा दिनों तक नहीं चला। वर्कफ्रंट की बात करें तो तारा ने करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से बॉलीवुड में डेब्यू किया था, जिसमें उनके साथ अनन्या पांडे और टाइगर श्रॉफ भी थे। फैंस तारा को फिर से स्क्रीन पर देखने के लिए बेताब हैं।

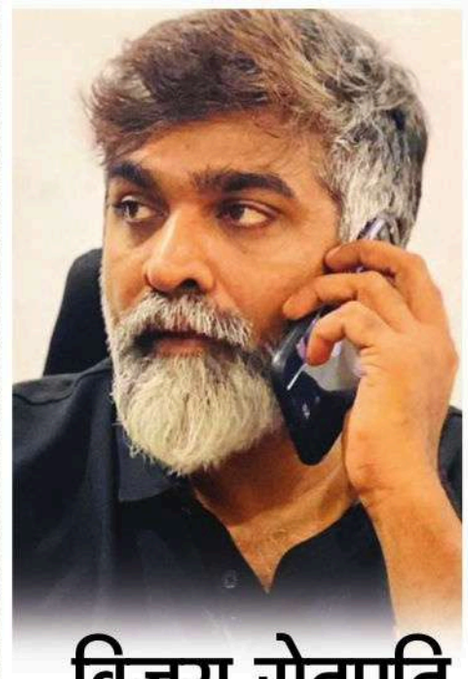

# विजय सेतुपति की मूक फिल्म गांधी टॉक्स पर आया बड़ा अपडेट

विजय सेतुपति अपनी अगली मूक फिल्म गांधी टॉक्स को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इसे 54वें भारत अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित किया गया था। फिल्म में अदिति राव हैदरी, अरविंद स्वामी और सिद्धार्थ जाधव जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में हैं। अब बुधवार को गांधी जयंती के मौके पर मेकर्स ने फिल्म को लेकर एक खास अपडेट जारी किया है। गांधी टॉक्स एक आगामी तमिल फिल्म है जिसमें विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में हैं। बुधवार को गांधी जयंती के दिन फिल्म के निर्माताओं ने एक विशेष बीटीएस वीडियो जारी किया, जिसमें फिल्म के निर्माण, अभिनेताओं द्वारा फिल्म के अलग-अलग भाग की शूटिंग और पोस्ट-प्रोडक्शन के अन्य पहलुओं को दिखाया गया है। अंत में, हम एआर रहमान को गाने के लिए संगीत बनाते हुए देखते हैं।

### मूक डार्क कॉमेडी फिल्म है गांधी टॉक्स

एक मूक डार्क कॉमेडी फिल्म के रूप में प्रस्तुत गांधी टॉक्स तमिल, तेलुगु, मराठी, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी भाषा में रिलीज की जाएगी। गांधी टॉक्स की रिलीज डेट की घोषणा अभी तक निर्माताओं द्वारा नहीं की गई है। हालांकि, टीजर के अनुसार ऐसा लग रहा है कि टीम जल्द ही तारीख की घोषणा करेगी।

### गांधी टॉक्स का निर्माण

गांधी टॉक्स का निर्देशन किशोर पी बेलेकर द्वारा किया गया है और यह जी स्टूडियोज, क्यूरीयस और मूवीमिल द्वारा संयुक्त रूप से समर्थित है। एआर रहमान ने फिल्म के लिए संगीत दिया है जिसके संपादक आशीष म्हात्रे हैं। करण बी रावत ने कैमरा क्रैंक किया है। मणिरत्नम की चेक्का चिवंता वनम के बाद यह दूसरी बार है जब अरविंद स्वामी, अदिति राव हैदरी और विजय सेतुपति एक साथ आए हैं। गांधी टॉक्स की शूटिंग पूरी हो चुकी है।

### विजय सेतुपति का वर्कफ्रंट

इस बीच, विजय को आखिरी बार निथिलन समीनाथन द्वारा निर्देशित महाराजा में देखा गया था। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है। दूसरी ओर, अरविंद स्वामी को हाल ही में रिलीज हुई मियाझागन में कार्थी के साथ देखा गया था। फिल्म सिनेमाघरों में लगी हुई है।

# वेब सीरीज दलदल में अपने किरदार के बारे में बोलीं भूमि

मि पेडनेकर ने अपनी आगामी वेब सीरीज दलदल की शूटिंग आधिकारिक तौर पर पूरी कर ली है। अमृत राज सिंह द्वारा निर्देशित इस सीरीज में भूमि एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगी, जिसे वह अब तक के अपने सबसे मुश्किल किरदारों में से एक मानती हैं। अभिनेत्री ने इस प्रोजेक्ट के बारे में अपने विचार सोशल मीडिया पर व्यक्त किए और इसे चुनौतियों और जीत से भरा एक साल का सफर बताया। इंस्टाग्राम स्टोरी पर भूमि ने भावुक नोट लिखा। भूमि ने दलदल को जीवंत करने के लिए आवश्यक समर्पण को दर्शाया। उन्होंने परियोजना के प्रति अपने जुनून को बनाए रखते हुए मुंबई के मानसून से जूझने सहित कठिन परिस्थितियों पर काबू पाने में टीम के प्रयासों के बारे में बात की। उन्होंने लिखा, बेशक, मेरे सबसे मुश्किल पात्रों में से एक है यह, मैं नर्वस हूं। मुझे शो में ऐसे शानदार कलाकारों और रचनाकारों के साथ काम करने का अवसर मिला। हमने मुंबई के मानसून का सामना किया, सबसे कठिन परिस्थितियों में शूटिंग की और फिर भी हमारा उत्साह कभी कम नहीं हुआ। हम सभी को बधाई। इससे पहले एक इंटरव्यू में भूमि ने रीता के रूप में अपनी भूमिका के बारे में विस्तार से बताया था, जो एक पुरुष-प्रधान क्षेत्र में बाधाओं को तोड़ती हुई एक पुलिस अधिकारी है। भूमि ने एएनआई से कहा, रीता एक सुपर अचीवर, एक ग्लास-सीलिंग ब्रेकर और पुरुषों की दुनिया में नियमों को फिर से लिखने वाली है। वह महत्वाकांक्षी है, अपने काम के प्रति जुनूनी है और आगे बढ़कर नेतृत्व करती है। ये ऐसी महिलाएं हैं, जिन्हें मैं अपना आदर्श मानती हूं। यह सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रीमियर के लिए तैयार है. हालांकि रिलीज की तारीख की घोषणा अभी नहीं की गई है।

# बॉर्डर 2 में सुनील शेट्टी के बेटे अहान की एंट्री पक्की

वर्ष 1997 में आई फिल्म बॉर्डर का सीक्वल आ रहा है। निर्माता बॉर्डर 2 की तैयारियों में व्यस्त हैं और नए-नए सितारों का नाम इस फिल्म से जुड़ता जा रहा है। इस फिल्म में सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी के होने की चर्चा तेज थी। आज इन चर्चाओं पर मुहर लग गई है। खुद सनी देओल ने सोशल मीडिया पोस्ट साझा कर बॉर्डर 2 बटालियन में अहान का स्वागत किया है। सनी देओल ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा किया है। इसके साथ लिखा है, फिल्म बॉर्डर 2 बटालियन में फौजी अहान शेट्टी का स्वागत है। सनी देओल ने फिल्म का टीजर वीडियो भी जारी किया है। जिसे पार नहीं कर पाता दुश्मन, वह न तो कोई लकीर है, न दीवार न खाई। और क्या है यह? बस एक फौजी और उसके भाई। अहान शेट्टी ने भी इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा किया है। इसके साथ लिखा है, बॉर्डर सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह इससे कहीं अधिक है। यह एक विरासत है, एक भावना है। और इसी के साथ एक सपना सच हुआ है। अहान ने लिखा है, अब फिल्म बॉर्डर 2 का हिस्सा बनने का मौका मिलना एक सम्मान है। मेरा हाथ थामे रखने के लिए जेपी अंकल आपका बहुत शुक्रिया। मुझे उम्मीद है कि मैं आपको गर्व महसूस कराऊंगा।

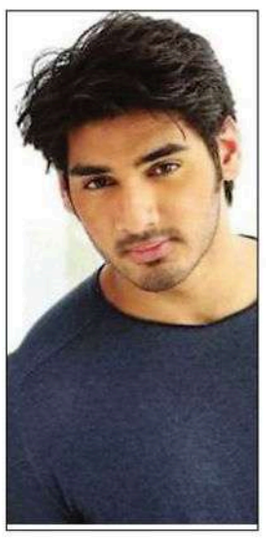

# अपनी फिल्मों को दर्शक की तरह देखती हैं अनन्या पांडे

अभिनेत्री अनन्या पांडे अपनी फिल्मों और स्टाइलिश लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। अनन्या पांडे ने हाल ही में इम्पोस्टर सिंड्रोम से ग्रसित होने की बात कही है। अनन्या पांडे ने बताया कि खुद को पोस्टर या बिलबोर्ड पर देखकर वो भूल जाती हैं कि वो खुद उस पोस्टर में हैं। एक बातचीत के दौरान अनन्या पांडे ने कहा कि वह किस तरह से अपने स्टारडम और प्रसिद्धी को अपनाती हैं। अनन्या ने कहा, ये सिंड्रोम किसी साधारण सी बात से शुरू होती है, जैसे कि जब कोई मेरा नाम लेता है। इंटरव्यू और अन्य चीजों के दौरान, मुझे लगता है कि मेरा नाम वास्तव में मेरा नहीं है, और यह मुझे तीसरे व्यक्ति जैसा महसूस कराता है। जब ऐसा होता है तो मुझे अचानक किसी और की तरह बनने का मन करता है। अनन्या ने कहा कि जब मैं खुद को किसी बिलबोर्ड में देखती हूं तो मुझे लगता है कि ये मैं नहीं हूं। कई बार ऐसा फिल्मों को देखकर भी लगता है। मैं इसे एक दर्शक की तरह ही देखती हूं। मैं भूल जाती हूं कि सामने मैं ही नजर आ रही हूं। अनन्या पांडे इन दिनों आगामी फिल्म कंट्रोल में दिखाई देने वाली हैं। उनकी ये फिल्म एक साइबर थ्रिलर होने वाली है, जो कि चार अक्तूबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

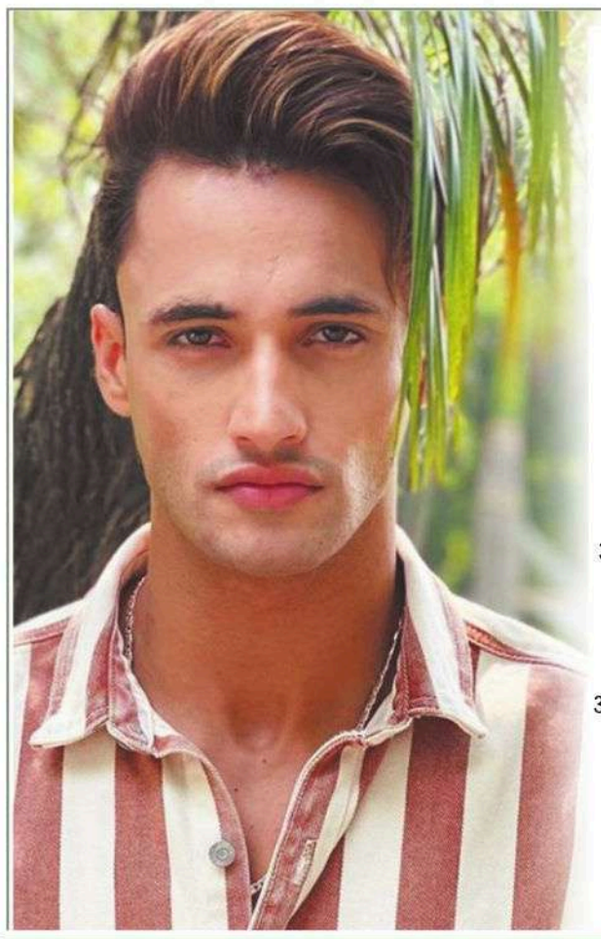

# खतरों के खिलाड़ी 14 के विजेता करण वीर मेहरा पर भड़के आसिम रियाज?

कलर्स टीवी के शो बिग बॉस 13 में अपने बेबाक अंदाज से प्रसिद्धि हासिल करने वाले आसिम रियाज ने खतरों के खिलाड़ी 14 से बाहर होने के बाद सुर्खियां बटोरीं। यह शो एक छोटे अंतराल के बाद टेलीविजन पर उनकी वापसी का प्रतीक था। आसिम अपने साथी प्रतियोगियों अभिषेक कुमार और शालीन भनोट और मेजबान रोहित शेट्टी के साथ एक झगड़े में पड़ गए थे। इस दौरान उन्होंने होस्ट रोहित शेट्टी पर भी अपना आपा खो दिया था, जिसके बाद उन्हें शो से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। वहीं, अब आसिम की नई पोस्ट लोगों का खासा ध्यान आकर्षित कर रही है। उन्होंने ये पोस्ट करण वीर मेहरा के जरिए खतरों के खिलाड़ी 14 का खिताब जीतने के बाद किया।

बॉलीवुड लाइफ के साथ एक हालिया इंटरव्यू में खतरों के खिलाड़ी 14 की ट्रॉफी उठाने वाले करणवीर मेहरा ने कहा कि आसिम को चिकित्सा सहायता की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि आसिम बहुत कम उम्र में मिली प्रसिद्धि को संभाल नहीं सकते और उन्हें यह समझने की जरूरत है कि एक अच्छा इंसान बनना महत्वपूर्ण है। अभिनेता ने कहा, हो सकता है वो मुझे हरा देते, हो सकता है वो इंटरव्यू दे रहे होते। लेकिन वो कहते हैं ना कि तुम इतनी बड़ी बाइट मत लो कि चबाओ ना कर सको। बहुत कम उम्र में उन्हें बहुत कुछ मिला और यह उनके परिवार, दोस्तों की जिम्मेदारी है कि वे उन्हें जमीनी हकीकत बताएं कि वह आज प्रसिद्धि हैं लेकिन प्रसिद्धि कल यह नहीं होगी। एक अच्छा अभिनेता बनना, बॉडी बिल्डर बनना, अच्छा खतरों का खिलाड़ी बनना, ये सब आसान है। अच्छा इंसान बनना ये सबसे ज्यादा मुश्किल है, इसलिए आसिम को उस पर काम करने की जरूरत है और जो कुछ भी हुआ है, उन्हें चिकित्सा सहायता की जरूरत है।

ऐसा लगता है कि, यह बात आसिम रियाज को अच्छी नहीं लगी, जिसके बाद उन्होंने अपने एक्स हैंडल से करणवीर पर परोक्ष रूप से कटाक्ष किया। आसिम ने करणवीर को गालियां दीं और कहा कि करण को यह दिखाने के लिए उन्हें बदनाम करना पड़ा कि वह आखिरकार 40 साल की उम्र में कुछ कर सकते हैं। आसिम ने लिखा, इस घटिया इंसान को यह दिखाने के लिए मुझे बदनाम करना पड़ा कि हारे हुए व्यक्ति ने आखिरकार 40 साल की उम्र में अपने जीवन में कुछ किया। यूं तो आसिम रियाज ने अपनी पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया, ना ही किसी को टैग किया, लेकिन नेटिजन्स का मानना है कि वह इस पोस्ट में करण वीर मेहरा की बात कर रहे हैं।

# वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन में होगा सलमान का कैमियो?

वरुण धवन अपनी अगली फिल्म बेबी जॉन को लेकर लाइमलाइट में हैं। अभिनेता पहली बार साउथ के सफल फिल्म निर्माता एटली के साथ काम कर रहे हैं।

बेबी जॉन में वरुण धवन का एक्शन अवतार देखने को मिलेगा। वहीं, अब फिल्म को लेकर आई नई रिपोर्ट ने फैंस के उत्साह को चरम पर पहुंचा दिया है। जानकारी के अनुसार, वरुण धवन की फिल्म की सलमान खान एक कैमियो भूमिका निभाएंगे हालांकि, अब तक न तो निर्माता और न ही अभिनेता ने इस खबर की आधिकारिक पुष्टि की है।

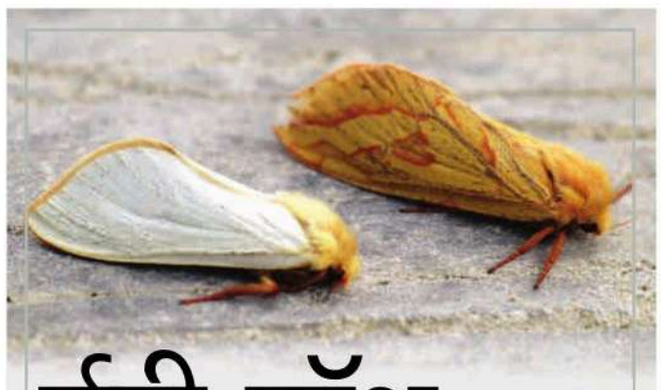

# ईरी मॉथ : यह है दुनिया का सबसे बड़ा पतंगा

**ब्राजील में पाए जाने वाले इस पतंगे को दुनिया में सबसे बड़े कीट का दर्जा प्राप्त है। इसे ईरी मॉथ, ग्रेट ऑवलेट माथ, घोस्ट मॉथ, वाइट व्हिच, ग्रेट ग्रे विच जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। पतंगों की दुनिया में इसके पंख सबसे लंबे होते हैं, जिनक आकार 30 सेंटीमीटर तक होता है। हालांकि हरक्यूलिस माथ और एटलस माथ के पंखों का क्षेत्रफल ज्यादा होता है।**

## जीवन सिर्फ दो हफ्तों का

इसके पंखों पर बने विशिष्ट आकार के पैटर्न इसे ट्रॉपिकल जंगलों में पेड़ों के बीच छिपने में मदद करते हैं। यह इतना बड़ा पतंगा भी शिकारियों की नजर से बचा रहता है। इसके इसी छद्मावरण के कारण इसे देखना बड़ा मुश्किल होता है। पंखों का रंग क्रीमी वाइट या हल्का भूरा होता है, जिन पर कई बादामी और काली धारियां जिगजैग पैटर्न बनाती हैं। नर में ये पैटर्न ज्यादा स्पष्ट होते हैं। उनका जीवन काल एक-दो सप्ताह तक ही होता है।

## पेड़ों की पत्तियों पर देती है अंडे

इनकी मादाएं रबर के पेड़ और केसिया जैसे पेड़ों की पत्तियों पर अपने अंडे देती हैं, जिनसे निकलने वाले लार्वा इन्हीं की पत्तियों को खाकर बड़े होते हैं। ये युवा बन प्यूपा बनाते हैं। ये पतंगे ऊरग्वे से लेकर मेक्सिको और कभी-कभी टैक्सास तक पहुंच जाते हैं।

## सांस्कृतिक मान्यताएं

दक्षिण अमेरिका की कई संस्कृतियों में यह मान्यता है कि यह पतंगे छिपी हुई अदृश्य दुनिया के संदेशवाहक हैं। वहां के लोगों का मानना है कि मृत लोगों की आत्माओं को ये अपने विशाल पंखों पर धारण करती है।

# जमीन पर रेंग कर चलने वाली पर्च मछली

**'मछली जल की रानी है, जीवन उसका पानी है,हाथ लगाओ डर जाएगी, बाहर निकालो मर जाएगी' मछलियों के बारे में भले ही आपने बचपन से ही ये बातें सुनी हों अर्थात यह कहा जाता रहा है कि बिना जल के मछली के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती लेकिन 'पर्च' नामक मछली की एक प्रजाति ऐसी भी है, जो न सिर्फ पानी से बाहर भी 12 घंटे तक जीवित रह सकती है बल्कि जमीन पर रेंग कर चल भी सकती है। अन्य प्रकार की मछलियों को पक्षी भले ही न छोड़ें पर पर्च मछली को पक्षी नहीं खाते।**

कारण है पर्च में पाए जाने वाले कांटे। आपको यह जानकर भी बड़ी हैरानी होगी कि इस मछली को सबसे पहले किसी जलस्रोत में नहीं बल्कि खजूर के एक पेड़ पर देखा गया था, यही वजह है कि इसे 'आरोही' मछली भी कहा जाता है। पूरे भारतीय प्रायद्वीप में पाई जाने वाली पर्च मछली ताजे पानी की मछली है जो हमेशा एक बेहतर घर की तलाश में रहती है। इसके शरीर में एक विशेष अंग होता है जिसके जरिए यह पानी के बाहर भी सांस ले पाती है। इसके गलफड़े अच्छी तरह विकसित नहीं होते। यही वजह है कि इसे सांस लेने के लिए बार-बार पानी की सतह पर आना पड़ता है। यदि पानी स्थिर हो जाए या फिर ज्यादा दूषित हो जाए तो यह पानी से बाहर आकर नए घर की तलाश शुरू कर देती है। पानी से बाहर यह करीब 12 घंटे तक जीवित रह सकती है, बशर्ते कि इसके गलफड़े तब तक गीले रहें। पानी से बाहर सांस लेने की अपनी अद्भुत क्षमता के कारण ही यह मछली वापस अपना रास्ता खोज लेती है।

# रोमांच का दूसरा नाम मसाई मारा

रोमांच के शौकीनों के लिए मसाई मारा किसी स्वर्ग से कम नहीं है। सुबह सूरज की पहली किरणों के साथ अफ्रीका के कुछ सर्वाधिक खूबसूरत नजारे मसाई मारा में नजर आने लगते हैं। पर्यटन केन्या की आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है जिसके बाद फूलों, कॉफी तथा चाय के निर्यात से होने वाली आय है। इकेन्या में पर्यटन उद्योग हाल के दिनों में एक बार फिर अपने पैरों पर खड़ा होने लगा है, जब 2008 में केन्या में मची उथल-पुथल तथा खून-खराबे ने यहां सफारी पर्यटन को भारी नुक्सान पहुंचाया था।

पहली बार मसाई मारा आने वाले लोग इसके अनोखेपन से अभिभूत हुए बिना नहीं रह पाते हैं। करीब स्थित तंजानिया के सैरेंगेटी से बेशक ग्नू (हिरण की प्रजाति के जानवर) के झुंड इन दिनों यहां नहीं पहुंच रहे हों, फिर भी यह राष्ट्रीय उद्यान अनेक जानवरों की तस्वीरों से भरी किसी सुंदर पुस्तक जैसा प्रतीत होता है। जो लोग यहां करीब 30 साल पहले आ चुके हैं, वे याद कर सकते हैं कि तब यहां पहुंचने के लिए राजधानी नैरोबी से कार में 250 किलोमीटर का सफर तय करके पहुंचना पड़ता था परंतु अब सीधे हवाई जहाज में यहां पहुंचा जा सकता है।

पहले की तुलना में वे यहां कई अंतर देख सकते हैं। मसाई मारा तक जाने वाले रास्ते के दोनों तरफ अब बाड़ों में घिरे गेहूं के खेत तथा पालतु पशुओं के झुंड दिखाई देते हैं। अब यहां पहले की तुलना में जानवर भी कहीं कम हैं। केन्या में बढ़ती जनसंख्या का दबाव अब जंगलों तक पहुंच चुका है। 1980 से अब तक केन्या की जनसंख्या 150 प्रतिशत बढ़ कर 4 करोड़ 10 लाख तक पहुंच चुकी है। लोगों को रहने के लिए स्थान भी चाहिए और भोजन भी, जिसका विपरीत असर जंगलों और उनमें रहने वाले जीवों पर साफ नजर आता है। केन्या के जंगलों में खूब सारे जानवर हैं तो कुछ शिकारी भी हैं परंतु अभी यहां जानवरों का शिकार नियंत्रण में है। वैसे भी मसाई लड़ाके (मूल निवासी या यहां रहने वाले आदिवासी) प्राचीन काल से भाले से शेर का शिकार करके अपनी मर्दानगी साबित करते आए हैं। केन्या की जैव विविधता पर नजर रखने वाले कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान में गैर-कानूनी रूप से चरने वाले पशुओं की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। 1977 से अब तक यह संख्या 10 गुणा बढ़ चुकी है। दूसरी तरफ वन्य जीवों की संख्या में दो-तिहाई कमी आई है। इस संबंध में जारी पहले दीर्घकालीन अध्ययन के नतीजों पर कई लोगों ने आपत्ति भी जाहिर की है परंतु जानकारों का कहना है कि नतीजों में दिख रहे नकारात्मक रुझानों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और पिछले 35 सालों के दौरान सम्पूर्ण मसाई क्षेत्र में जंगली जानवरों की संख्या में 80 प्रतिशत तक कमी आई है। काफी सारा जंगली इलाका किसानों को पशु चराने तथा खेती के लिए सौंप दिया गया है। वे जंगल जिनमें मूल मसाई लोग खेती किया करते थे तथा जो उनके संरक्षण में रहते थे, अब तेजी से काटे जा रहे हैं। केन्या के जंगलों के समक्ष इन चुनौतियों तथा चिंताओं के बावजूद भी मसाई मारा की यात्रा एक अविस्मरणीय अनुभव बन जाती है। जंगल में रात गुजारने के लिए अनेक बंदोबस्त हैं परंतु उनमें से अधिकतर काफी महंगे हैं। वहां लॉज तथा तम्बू भी मिल जाते हैं और वे भी विभिन्न तरह के। यहां पर्यटकों के लिए कई कैम्प लगे रहते हैं। ऐसे ही एक मारा बुश कैम्प में हर तम्बू में एक काऊबैल लगाई गई है ताकि किसी जानवर के करीब आने पर अलार्म बज जाए क्योंकि इस कैम्प के चारों ओर कोई बाड़ नहीं लगी है। इससे पहले कि आप यहां किसी रेस्तरां या कैम्प फायर तक जाने के लिए निकलें, अपने साथ भाले से लैस किसी स्थानीय मसाई लड़ाके को ले जाना न भूलें।

**केन्या का मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान जैव विविधता तथा तरह-तरह के जीव-जंतुओं के लिए दुनिया भर में मशहूर है। रोमांचक अनुभवों का शौक रखने वाले पर्यटक यहां तम्बुओं में रात बिताते हैं। रात में करीब ही लक्कड़बग्घों के गुर्राने की आवाजें सुनाई पड़ती हैं तो दरियाई घोड़े तम्बुओं को सूंघ कर आगे बढ़ जाते हैं। कहीं न कहीं से रह-रह कर शेर की दहाड़ भी कानों में पड़ती रहती है। इस जंगल में हाथियों, जंगली भैंसों तथा चीतों की भी कोई कमी नहीं है।**

# हवाओं का सबसे खतरनाक स्वरूप हरीकेन या टायफून

**किसी न्यूज चैनल पर या मूवी में जब हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए दिखता है तो लगता है जैसे प्रकृति गुस्से से लाल-पीली नहीं बल्कि काली और भूरी हो रही है। हवा और पानी के रौद्र रूप का ये भी एक उदाहरण है। ये वो तूफान हैं जो अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को तोड़-मरोड़ कर खत्म कर देते हैं। इन तूफानों के समय हवा की रफ्तार 150 मील प्रति घंटा और इससे कहीं ज्यादा तक हो सकती है। जानो इन खास तूफानी रूपों के बारे में और समझो इनके पीछे का विज्ञान।**

किसी चैनल पर या मूवी तुमने भी हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए देखा होगा। इन्हें तुमने कई बार डिस्कवरी चैनल पर या किसी हॉलीवुड मूवी में भी देखा होगा। जमीन के साथ-साथ ये तूफानी बादलों की सतह से भी जुड़े हुए मालूम होते हैं। टॉरनेडो के अलावा इसे सायक्लोन या ट्विस्टर भी कहा जाता है। ये सारी चीजों को ट्विस्ट करता हुआ जो उठता है। दूर से देखो तो ऐसा लगता है मानो बादल से किसी ने एक बड़े से कपड़े को जमीन पर खड़े किसी हाथ में में पकड़ा दिया हो और बादल और जमीन दोनों मिलकर उस कपड़े को निचोड़ रहे हों। वहीं सायक्लोन नाम का उपयोग मेटरोलॉजी यानी मौसम विज्ञान में ज्यादा बड़े तूफान के मामले में किया जाता है। हिंदी में ये चक्रवात या बवंडर कहलाते हैं। यूं टॉरनेडो नाम स्पेनिश शब्द 'ट्रोनाडा'' से बना है जिसका मतलब है 'थंडरस्ट्रॉम।'' टॉरनेडो अलग-अलग साइज के हो सकते हैं पर इनका आकार तुम्हारी कैमेस्ट्री लैब में मौजूद फनल के जैसा होता है। जमीन की तरफ से संकरा और आसमान की ओर खुला हुआ। ये धूल का बड़ा सा गुबार होते हैं। सायक्लोन उन जगहों पर ज्यादा पैदा होते हैं जो जगहें इक्वेटर से पास हैं और ध्रुवों की तरफ यानी इक्वेटर से दूर जगहों पर ये कम पाए जाते हैं। हमारे देश में ये बंगाल की खाड़ी के पास वाले इलाकों में ज्यादा दिखाई देते हैं। वैसे अंटार्कटिका के अलावा ये लगभग हर कॉन्टिनेंट में मिलते हैं। इनकी सबसे ज्यादा संख्या पाई जाती है अमेरिका के 'टॉरनेडो ऐली'' रीजन में। वैसे उत्तरी अमेरिका में इनका होना बहुत आम है। इनके आने का पता लगाने के लिए 'पल्स डॉप्लर राडार'' की मदद ली जाती है और इन्हें नापने के लिए कई तरह की फ्यूजिटा या टॉरो जैसी स्केल्स का उपयोग किया जाता है।

सामान्यतः किसी एक तूफान से एक से ज्यादा टॉरनेडो भी पैदा हो सकते हैं। ऐसे में इन्हें टॉरनेडो फैमेली भी कहा जाता है। यही नहीं जिस जगह टॉरनेडो बन रहे हैं उस जगह के नेचर के हिसाब से इनका रंग भी अलग-अलग हो सकता है। जैसे पानी के ऊपर उठने वाले टॉरनेडो सफेद या नीले हो सकते हैं तो कभी मिट्टी पर उठने के कारण ये लाल रंग के भी हो सकते हैं। है यह भी चक्रवात या सायक्लोन का ही एक रूप लेकिन इसका रिजल्ट भारी बारिश और बाढ़ वाले तूफान के रूप में दिखाई देता है। यानी ये पानी का खतरनाक रूप हैं। इन्हें भी तुमने कई हॉलीवुड मूवीज में देखा होगा। ये ट्रॉपिकल सायक्लोन कहलाते हैं जो कि मैक्सिको की खाड़ी, कैरेबियन सी, पूर्वी प्रशांत महासागर यानी ईस्टर्न पेसिफिक ओशियन तथा दक्षिणी अटलांटिक ओशियन जैसी जगहों पर जन्म लेते हैं। समुद्र की सतह पर मौजूद भाप से ये एनर्जी पाते हैं। इससे ही फिर भयानक बारिश वाले बादल आकार लेते हैं। इन्हें हरीकेन और टायफून के अलावा ट्रॉपिकल स्टॉर्म, ट्रॉपिकल डिप्रेशन आदि नामों से भी जाना जाता है। खास बात यह कि जमीन पर आने के बाद ये कमजोर पड़ जाते हैं क्योंकि उस समय ये अपने एनर्जी के सोर्स से यानी समुद्र की सतह से अलग होने लगते हैं। इनके बनते समय हवा पानी की सतह से ऊपर उठने की बजाय पानी के भीतर जाकर गोल, घुमावदार रूप ले लेती है।

इससे पानी पर एक खाली जगह बन जाती है जिसे 'आई'' यानी आंख कहा जाता है। दुनियाभर में ये तूफान आमतौर पर गरमी के मौसम के विदा लेते समय पैदा होते हैं जब समुद्र की सतह का तापमान सबसे ज्यादा होता है और भाप तेजी से बनती है। हालांकि, इसके अलावा भी अलग-अलग जगह इनका अलग सीजन हो सकता है। जमीन पर मौजूद डॉप्लर वेदर राडार के अलावा वेदर सैटेलाइट के जरिए भी इनके आने की सूचना मिल सकती है।

इनका टायफून नाम अरबी भाषा के 'तूफान'' शब्द से लिया गया है जिसे हिंदी और उर्दू में भी उपयोग में लाया जाता है। तूफान शब्द असल में ग्रीक मायथोलॉजी में तूफान के एक राक्षस 'टायफोन'' से भी जुड़ता है। वहीं हरीकेन शब्द स्पेनिश भाषा से आया है और तूफानों के देवता 'हुराकान'' को दर्शाता है। सबसे मजेदार बात यह है कि इन तूफानों की पहचान के लिए इनको बकायदा नाम दिए जाते हैं।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है।
किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267